Education with Fun

Name: ______________________________ Date: ____________________

# अकबरी लोटा

प्रश्न-1 "इस भेद को मेरे सिवाए मेरा ईश्वर ही जानता है। आप उसी से पूछ लीजिए। मैं नहीं बताऊँगा।" बिलवासी जी ने यह बात किससे और क्यों कही? लिखिए।

उत्तर ____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

प्रश्न-2 "उस दिन रात्रि में बिलवासी जी को देर तक नींद नहीं आई।" समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी तो क्यों? लिखिए।

उत्तर ____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

____________________________________________________________

https://educationwithfun.com

## अकबरी लोटा

प्रश्न-1 “इस भेद को मेरे सिवाए मेरा ईश्वर ही जानता है। आप उसी से पूछ लीजिए। मैं नहीं बताँऊंगा।” बिलवासी जी ने यह बात किससे और क्यों कही? लिखिए।

उत्तर ‘बिलवासी’ जी ने यह बात ‘लाला झाऊलाल’ से कही क्योंकि जो वो रूपये लाए थे उसके पीछे कुछ ऐसी बात थी जिसे वे किसी को बताना नहीं चाहते थे। बात यह थी कि बिलवासी जी ने लाला झाऊलाल की मदद करने के लिए अपनी पत्नी के संदूक से चोरी करके रूपयों का प्रबंध किया था।

प्रश्न-2 “उस दिन रात्रि में बिलवासी जी को देर तक नींद नहीं आई।” समस्या झाऊलाल की थी और नींद बिलवासी की उड़ी तो क्यों? लिखिए।

उत्तर "बिलवासी" जी ने अपने मित्र "लाला झाऊलाल” की सहायता करने के लिए अपनी पत्नी के संदूक से रूपए चुराए थे। इसीलिए "बिलवासी” जी अपनी पत्नी के सोने की प्रतीक्षा कर रहे थे ताकि वे अपनी पत्नी के गले से सिकड़ी निकल सकें और उसमें लगी ताली से संदूक खोल कर चुपचाप पैसे वापस रख सकें। यही कारण था कि उन्हें उस रात देर तक नींद नहीं आ रही थी।

https://educationwithfun.com